एक कोशिश

निवाला™

प्रतिदिन निःशुल्क भोजन वितरण

आइये आप और हम
मिलकर जरूरतमंदो
तक पहुँचायें "निवाला"

स्मारिका
अक्टूबर 2020

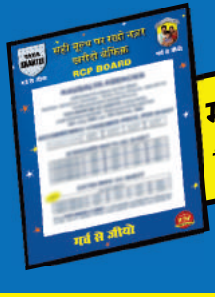

TATA
TATA STEEL
शक्तिशाली टाटा
शक्ति जी सी शीट
काम ज़्यादा,
दाम नहीं!
मूल्य की करो परख
फ़िर खरीदो बेधड़क
TATA SHAKTEE
अधिक चौड़ी
समान्तर नालियां
TATA
SHAKTEE
गर्व से जीयो
अधिक जिंक की
कोटिंग के साथ
Toll Free No.: 18001088282
ऑथोराइज्ड डिस्ट्रीब्यूटर
बिहानी एन्टरप्राइजेज
एस-1, ऊषा प्लाजा, आकाशवाणी के सामने, एम.आई. रोड, जयपुर
मो. 9799398135
* विज्ञापन

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट
निवाला एक कोशिश
स्मारिका - वर्ष 4
अंक-7, अक्टूम्बर 2020

श्री श्री 1008 श्री चेतनदास जी महाराज
(यज्ञ सम्राट)

मुख्य संपादक :
देवेन्द्र शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक :
सुरेन्द्र शर्मा

उप सम्पादक :
पिंकी चौहान
अनिल भूप

ग्राफिक्स डिजाइनर :
शिवम् पारीक

'निवाला' में प्रकाशित-लेखो में व्यक्त विचार लेखकों के है। इनसे-संपादक अथवा प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्रसारित लेख, तस्वीर या प्रचार में किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा।

निवाला एक कोशिश™
प्रतिदिन नि:शुल्क भोजन वितरण

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ सं.
अनुक्रमणिका	03
संस्थान सर्टिफिकेटस	04
संपादकीय	05
करूणामयी माँ संत श्री कमला बाई	06
निवाला-एक कोशिश	07
सँवारे बचपन	08
सहायता की प्रतिक्षा में बालिकाएँ	09
खुशियों का पैगाम	10
संस्थान समाचार	11
संस्थान की गतिविधियाँ	12
श्रद्धांजली	13
लक्ष्मी पूजा फोटो	14
नवरात्रि	15
कोरोना योद्धाओं को नमन	16
कैसे बढ़ाए रोग प्रतिरोधक क्षमता	17
सहयोग आपका, प्रयास संगठित	18-20
सहयोग/सदस्यता फॉर्म	21
संस्था के स्वयंसेवक	22
सहयोगी हाथ	23
संस्थान के सहयोगी	24-25
सहयोग का माध्यम	26
संघर्ष से सफलता की ओर	27

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट
नई राह - नई दृष्टि..! , ज्ञान वही - वही सृष्टि..!!

पंजीकृत कार्यालय : जी 1, कृष्णा विला, प्लाट न :113, आदिनाथ नगर, सिरसी रोड़ जयपुर - 302012 (राज.)
मुख्य कार्यालय : 155, माँ हिंगलाज नगर-बी, गाँधीपथ रोड़ पश्चिम, वैशाली नगर, जयपुर-302021 (राज.)
+91-7231-8888-00 / 11 / 22 / 33
info@kbctindia.org KamlabaiCharitableTrust YouTube KamlabaiCharitableTrust www.kbctindia.org

निवाला
एक कोशिश
प्रतिदिन निःशुल्क भोजन वितरण

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट सर्टिफिकेट्स

Reg. No. 507 Delhi-2016-17

आई. एस. ओ.

Certificate of Registration

Awarded to

KAMLABAI CHARITABLE TRUST

REGD. OFFICE: F-281, UPPER GROUND FLOOR, WARD NO- 2, MEHRAULI, NEW DELHI - 110030, INDIA
CORPORATE OFFICE: G1, KRISHNA VILLA, P NO 113, ADINATH NAGAR, SIRSI ROAD, JAIPUR, RAJASTHAN, INDIA

It is Certified that Quality Management System of Organization has been audited and found to be in accordance with the requirements of

ISO 9001:2015

For the Scope of activities described below

SOCIAL SERVICES SUCH AS PROVIDING FOOD TO POOR PEOPLE, PROVIDING SHELTER HOMES, PROVIDING MEDICAL ASSISTANCE TO POOR PEOPLE, ORGANISING HEALTH SCREENING CAMPS, ORGANISING GREEN AND CLEAN DRIVE, PROVIDING EDUCATIONAL ASSISTANCE TO POOR AND ILLITERATE PEOPLE

Certificate No :	17DQ8U86		
Initial Registration Date :	07-10-2017	Issuance Date :	07-10-2017
Date of Expiry* :	06-10-2020		
Ist Surve. Due	07-09-2018	IInd Surve. Due	07-09-2019

Director

ROHS DAC IAF

फूड लाइसेंस

MEDICAL, HEALTH & FAMILY WELFARE DEPARTMENT
(Govt. of Rajasthan)
License
Under
Food Safety and Standards Act, 2006
(See Regulation 2.1.4(6))

अनुज्ञप्ति संख्या / License Number: 12218026001330

1. अनुज्ञप्तिधारी के पंजीकृत कार्यालय का नाम और पता / Name & Registered Office Address of Licensee — KAMLABAI CHARITABLE TRUST, P. NO-155, MAA HINGLAJ NAGAR-B, LALARPURA, GANDHI PATH ROAD, JAIPUR, Jaipur I (Rajasthan) - 302021
2. प्राधिकृत परिसरों का पता / Address of Authorized Premises — P. NO-155, MAA HINGLAJ NAGAR-B, LALARPURA, GANDHI PATH ROAD, JAIPUR, Jaipur-I Ward 13, Jaipur I(Rajasthan) -302021
3. कारोबार का प्रकार / Kind of Business — Caterer
4. For dairy business details of location with address and capacity of Milk Chilling Centers (MCC)/Bulk Milk Cooling Centers (BMCs)/Milk Processing Units/Milk Packaging Unit owned by the holder of license/RC — No
5. अनुज्ञप्ति का वर्ग / Category of License — State
6. This license is granted under and is subject to the provisions of FSS Act, 2006 all of which must be complied with by the licensee.

Stamp and signature of Designated Officer

स्थान / Place : Jaipur I
दिनांक / Date : 04/10/2019

State Licensing Authority under FSSA, 2006

विधिमान्यता और नवीनीकरण / Validation And Renewal

License Issue / Renewal Date	Period of validity	License Fee Paid	Items of Food products authorized to Manufacture/ Re-pack/ Re-label	Installed / Handling Capacity	Signature Of Designated Officer
29/08/2017	28/08/2019	Rs.6400.00(For Renewal)	Please refer to annexure for details.	Please refer to annexure for details	
29/08/2019	28/08/2021	Rs.6600.00(For Renewal)	Please refer to annexure for details.	Please refer to annexure for details	

*The Application for renewal of license shall be submitted 30 days prior to the expiry date mentioned above after which Rs. 100 per day will be charged up to the date of expiry.
Disclaimer-This License is only to commence or carry on food businesses and not for any other purpose.

12A

Office of the
Commissioner of Income Tax (E),
20th Floor, Tower-E2, Pratyaksha Kar Bhawan
Dr. S.P.Mukherjee Civic Centre, J.L.Nehru Marg,Delhi

NAME & ADDRESS: KAMLABAI CHARITABLE TRUST

Sub:-ORDER OF REGISTRATION U/S 12AA READ WITH SECTION 12A OF THE INCOME TAX ACT 1961

80G

Office of the
Commissioner of Income Tax (E),
20th Floor, Tower-E2, Pratyaksha Kar Bhawan
Dr. S.P.Mukherjee Civic Centre, J.L.Nehru Marg,Delhi

NAME & ADDRESS: KAMLABAI CHARITABLE TRUST, PROP NO.-F-281, UPPER GROUND FLOOR, WARD NO.2,MEHRAULI, NEW DELHI 110030

Sub:-ORDER UNDER SECTION 80G (5)(vi) OF THE INCOME TAX ACT, 1961

संपादकीय

जय श्री कृष्णा

आप सभी को ''नवरात्रि'' एवं ''दीपावली'' की हार्दिक शुभकामनाएं :-

एक पर्व–नवरात्रि नौ दिनो तक मनाया जाने वाला है, बुराइयों को अपने भीतर और समाज से दूर करलें। एक जीवन भी कम है समाज से अशिक्षा, गरीबी असमानता के दानवों का नाश करने के लिए यह पर्व व्रत हमें शक्ति और भक्ति का अहसास कराते है। हम मनुष्य होकर बहुत कुछ कर सकते है जुड़ कर, मिलकर, एक अभियान चलाकर।

आंकडो के अनुसार देश में प्रत्येक दिन लोग सडकों पर या घरो मे भी भूखे सोते है। लगभग 15 करोड व्यक्ति प्रतिदिन विना भोजन के रह जाते है और दूसरी तरफ लगभग 15 से 20 करोड़ लोगों का पेट भर सके, इतना भोजन व्यर्थ हो जाता है।

मैं जब गरीब असहाय को सड़कों के किनारे, फुटपाथ या अस्पतालों के प्रांगण मे सोते देखता हूं, तो विचार आता है क्या ये भोजन कर सो रहे होगें ? छोटे–छोटे बच्चे शहर की सड़को पर रेड लाईट सिग्नल होने पर जब आकर खड़े हुए एक आशा भरी नजर से देखते है, तो उसमें मुझे एक ''निवाला'' के लिए ही प्रार्थना नजर आती है।

तब एक भावना जागती है, एक जिम्मेदारी का भाव आता है, कि हमें इस भूख के विरूद्ध और इस आशा भरी नजर के लिए कुछ करना है, एक व्यक्ति अकेले यह जिम्मेदारी पूरी कर पाए, ऐसी क्षमता न हो तो जिम्मेदारी बांट कर पूरी की जा सकती है। इस विचार को आगे बढाते हुए, ''निवाला एक कोशिश'' अभियान शुरू किया गया। एक लक्ष्य है कि प्रत्येक व्यक्ति तक हमे भोजन पहुँचाना है और यह अभियान सतत् जारी रहेगा संकल्प के साथ कि किसी भी दिन कोई व्यक्ति भूखा न सोये।

यू प्रत्येक के लिए परमात्मा आते नहीं है, जब नर मे नारायण बसे तो वो दिखते यही है।

इस नवरात्रि के अवसर पर

हम शपथ ले बच्चो के लिए जो शहर कि गलियों, सड़कों पर असहाय घूमते है किसी प्रकार अपना पेट भरने के लिए जो हमसे हो सके वह सहायता उन तक पहुंचे यह प्रयास जारी रखें।

– देवेन्द्र शर्मा
(संस्थापक)

करूणामयी माँ संत श्री कमलाबाई

हे ईश्वर... मुझे लेने के नहीं अधिक देने के योग्य बनाओं

व्यक्ति जब जन्म लेता है वह सुख–दुख से अभभिज्ञ होता है फिर भी भूख बच्चे को सिखा देती है रोना और वह सुनकर माँ हदय सें, प्रकृति से उसे दूध पिलाकर शांत करती है।

ईश्वर ने मनुष्य के साथ एक भावना जोड़, उसे पशु–प्रवृति से पृथक (अलग) किया है, कि वह दूसरे मनुष्य की दुख–पीड़ा को समझकर,उसे दूर कर, सुख पाता है। इस प्रकार वह अपने भीतर ईश्वरत्व को प्राप्त कर, परमानंद का अनुभव करता है और यह आनंद हम सभी प्राप्त कर सकते है। असहाय, दीन की सहायता कर,किसी भूखे व्यक्ति तक एक निवाला पहुँचा कर, आप निर्धन जरूरतमंद की सहायता कर , अपने ईश्वर द्वारा दिए गए मनुष्य जन्म को सार्थक करें,परमानंद को पाए संस्कृति और मनुष्यता की रक्षा करे।

''निवाला'' 'एक कोशिश'

एक कदम मानवता की ओर...

कमलबाई चैरिटेबल ट्रस्ट निरन्तर आगे बढ़ा रही कदम। संस्था द्वारा संचालित योजना द्वारा जयपुर के सरकारी अस्पतालों में दूर गांव–गांव से अपने परिजनो के इलाज के लिए आए लोगों में प्रतिदिन नि:शुल्क भोजन वितरण किया जाता है।

इसमें एस.एम.एस. अस्पताल, बांगड़ अस्पताल, ट्रोमा सेन्टर आदि शामिल है। यह कार्य गत 4 वर्षो से लगातार हो रहा है। एक कोशिश के सहयोगी जन स्वयं आगे बढ़ कर भोजन वितरण कर पुण्य लाभ कमा रहे है। हम भी अपने धन में से कुछ अंश और थोडी सेवा, प्रेम बांटे तो, इस प्रयास को सफल कर सकते है, कि कोई व्यक्ति भूखा ना सोये। आरंभ में थोड़े व्यक्तियों द्वारा ही सहयोग–सेवा प्राप्त हुई और आज यह एक अभियान बन गया है। निवाला एक कोशिश ने कोरोना–19 समय में जब लॉक–डाउन प्रथम चरणों मे रहा, आमजन के सामने सबसे बड़ी समस्या ,भोजन की आयी तो उस समय पर भोजन सेवा का हर संभव प्रयास कर पहुँचाया। संस्था निरन्तर 365 दिन भोजन सभी तक पहुंचाने का लक्ष्य पाने में सफल रही।

इस अभियान में जितने लोग जुड़े कम है। सहयोग के कारण ही छुट्टी हो या कोई त्यौहार, तूफान या बारिश भोजन की श्रृंखला नही टूटती है । यह जारी है और जारी रहे, इसके लिए एक प्रयास आवश्यक है आपकी ओर से भी और यह निरन्तरता बनी रहेगी हालात अवश्य ही बदलेगें।

प्रत्येक जरूरतमंद को, पहुचाएं भोजन।
संस्था का पूरा हो, यह सार्थक प्रयत्न।।
नर मे नारायण बसे, सिखाती संस्कृति हमारी।
ईश्वर ने जिन्हे बनाया सक्षम, आभार जताने की उनकी बारी।।
प्रत्येक जरूरतमंद को मिले निवाला, सतत् रहे प्रयास जारी।

शिक्षा अंधियारे जीवन में उजाला लाती है। एक बालक या बालिका के जीवन में शिक्षा द्वारा बहुत बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है, ऐसी कई मिसालें समाज में हमने देखी है।

शिक्षा दुनिया के विषय में, अपने कर्त्तव्यों के साथ ही अपने अधिकरों का भी ज्ञान कराती है। आंकड़ो के अनुसार हमारे देश में लगभग 35 करोड़ लोग आज भी अशिक्षित है, जिसमें महिलाओं की संख्या अधिक है, गरीबी, अज्ञानता और साधनों के अभाव में बालिकाएं, शिक्षा से वंचित रह जाती है और शिक्षित न होने के कारण उनका हर स्थान पर शोषण होता है, वे अपने अधिकारों को भी नही जानती है। एक शिक्षित बालिका एक परिवार,समाज एवं देश दुनिया को एक बेहतर, अधिक सुदृढ़ भविष्य दे सकती है।

इसलिए कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने बालिका शिक्षा हेतू एक पहल की है, संवारें बचपन, इस अभियान के अर्न्तगत आर्थिक रूप से कमजोर व सुविधाओं से वंचित बालिकाओं को गोद लेकर, उनकी शिक्षा व पोषण की जिम्मेदारी उठाई जाती है। जिससे वे बालिकाए जो पढ़ना चाहती है, प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर जिन्होने अच्छा प्रदर्शन किया है, कुछ बनने की इच्छा रखती है उनके सपनों को उड़ान मिले। वे दुनिया में, समाज में नाम रोशन कर सके आप इस पुण्य कार्य के सहयोगी बनें।

संवारे बचपन बालिकाओं का, एक पहल हमारी है। यह सफल होगा प्रयास, साथ आप उपकारी है।।
आपके सहयोग से यह कठिनता,सरल बन जाएगी। सहायता छोटी से छोटी, सेवा भी, व्यर्थ न जाएगी।।
हम अंश प्रभु के, मिलकर निस्वार्थ भाव से। आगे आए स्वप्रेरणा और एक चाह से ।।
जो ठाने तो बना सकतें, सागर पर सेतू। जब हो तन-मन-धन से, प्रतिबद्ध असहाय हेतू।।

निवाला एक कोशिश
प्रतिदिन निःशुल्क भोजन वितरण

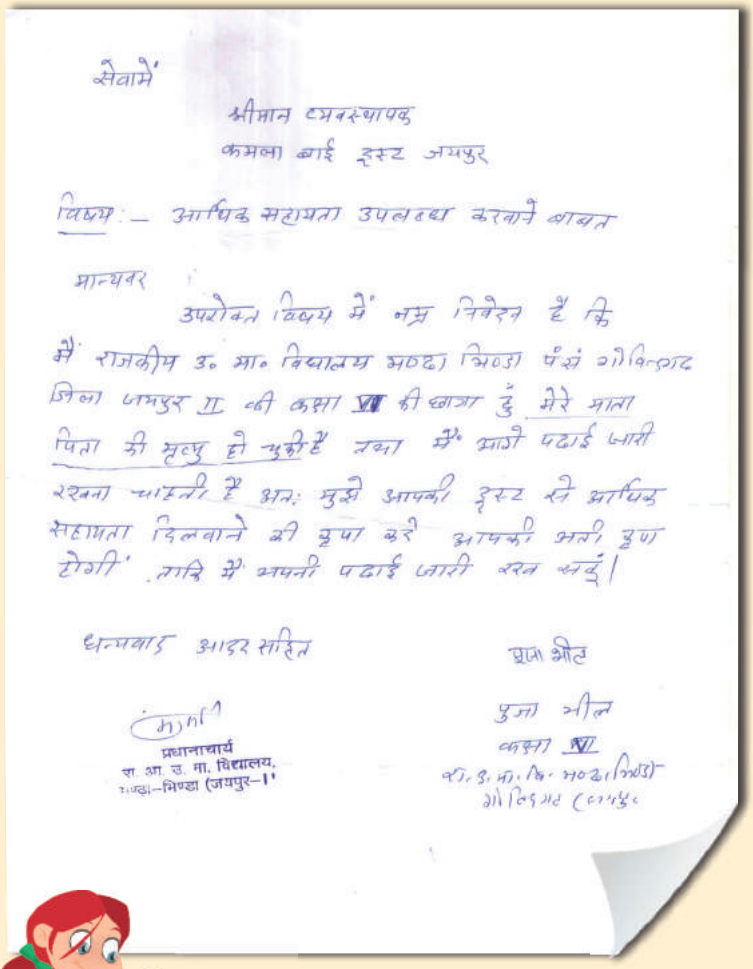

संवारे बचपन

बालिकाओं द्वारा दी गई एक अपील

सेवामें

श्रीमान व्यवस्थापक
कमला बाई ट्रस्ट जयपुर

विषय :– आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने बाबत

मान्यवर

उपरोक्त विषय में नम्र निवेदन है कि मैं राजकीय उ० मा० विद्यालय मण्डा भिण्डा पंस. गोविन्दगढ़ जिला जयपुर II की कक्षा VII की छात्रा हुँ मेरे माता पिता की मृत्यु हो चुकी है तथा मैं आगे पढाई जारी रखना चाहती हैं अतः मुझे आपकी ट्रस्ट से आर्थिक सहायता दिलवाने की कृपा करे आपकी अती कृपा होगी ताकि मैं अपनी पढाई जारी रख सकूं।

धन्यवाद आदर सहित

पूजा भील

[signature]
प्रधानाचार्य
रा. आ. उ. मा. विद्यालय,
मण्डा–भिण्डा (जयपुर–I)

पुजा भील
कक्षा VI
रा. उ. मा. वि. मण्डा भिण्डा
गोविन्दगढ़ (जयपुर)

सहायता की प्रतीक्षा में बालिकाऐं

- खुशी शर्मा
- स्वाति शर्मा
- नेहा शर्मा
- सपना बुनकर
- पायल बुनकर
- अनिता शर्मा
- निधि
- सुशीला जाटवा
- दसीका मलीक
- निकिता शर्मा
- अनुष्का शर्मा
- निकिता मीणा
- नमिता मीणा
- हमिता मीणा
- अर्चना बुनकर
- वन्दना जोशी
- आयुषी कंवर
- पूजा भाकर
- ज्योति भाकर
- जेनिफर मीणा

क्रमशः

आओ आप और हम मिलकर थाम लें
देश की बेटीयों का हाथ, और संवारे उनका बचपन...!

संवारे बचपन

खुशियों का पैगाम

दीपावली

दीपावली पर संस्था के दानदाताओं के द्वारा एवं पदाधिकारियों के माध्यम से खुशियों को बढ़ाते हुए गोद ली गई बालिकाओं, कन्याओ के घर पर जाकर शुभकामनाएं, आशीर्वाद और भेट, मिठाई देकर त्यौहार को अधिक उत्साह पूर्ण बनाया गया।

रक्षा-बंधन

3 अगस्त को संवारे बचपन अभियान के अन्तर्गत गोद ली गई बालिकाओ से रक्षा-बंधन पर कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट व सहयोगी दान-दाताओ के द्वारा बालिकाओं से रक्षा-सूत्र बंधवा कर, उनके घर जाकर मिठाई, ज्यूस एवं वस्त्र उपहार स्वरूप देकर प्रेम एवं रक्षा के संकल्प के त्यौहार को मनाया, इन कन्याओं के जीवन में एक मुस्कुराहट लाने का सार्थक प्रयास किया गया।

जन्माष्टमी

श्री कृष्ण के जन्म को दिवस को हर वर्ष भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी, को कृष्ण जन्माष्टमी सम्पूर्ण भारत वर्ष में बड़े हर्षउल्लास के रूप मे मनाया जाता है। यह त्यौहार हिंदू धर्म के परम्परा को दर्शाता है एवं सनातन धर्म का बहुत बडा त्यौहार है। भारत से दूर अन्य देशो में बसे भारतीय भी इस त्यौहार को धूम-धाम से मनाते है। इस त्यौहार के महत्व को समझते हुए कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने अपनी योजना संवारें बचपन के अंतर्गत, गोद ली हुई बालिकाओं एवं संस्था के पधाधिकारी एवं कार्यकताओ के साथ श्री कृष्ण जन्मोत्सव बडी धूम-धाम से मनाया। इसी अवसर पर दानदाता श्रीमान् अनिल कुमार भार्गव जी ने अपनी धर्म-पत्नी स्वं रंजना भार्गव की पुण्य स्मृति में इन बालिकाओं को वस्त्र प्रदान किये। इस अवसर पर संस्था के पधाधिकारी एवं कार्यकताओ का साथ रहा उन्होनें बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया।

संस्थान समाचार

गणतन्त्र दिवस-26 जनवरी उत्सव

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा समाज के उत्थान और राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता सदा ही प्रकट की जाती है।

इसी क्रम में संस्था द्वारा गत 26 जनवरी को एक छोटा-सा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके अन्तर्गत संस्था द्वारा गोद ली गई बेटियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, बालिकाओं को मिठाई एवं प्रोत्साहन स्वरूप पुरूस्कार बाटे गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमान करनसिंह खाचरियावास जी द्वारा झण्डा रोहण किया गया व अतिथि गण भूतपूर्व कर्नल श्रीमान लक्ष्मण सिंह जी, ऐडवोकेट श्रीमान भूपेन्द्र पारीक जी, ऐडवोकेट श्रीमान नरेन्द्र वशिष्ठ जी, श्रीमान शिवचरण सिंह जी ने बेटियों को चेक प्रदान कियें। करूणामयी मां संत श्री कमलाबाई, संत श्री अभय दास जी व गांधी पथ व्यापार मंडल के सभी दुकान दार उपस्थित रहे।

-जय हिन्द

वस्त्र वितरण

संस्था के पदाधिकारी वस्त्र वितरण करते हुए।

संस्था द्वारा बालिकाओं को स्मार्ट कलर किट भेंट करते हुए।

वृक्षारोपण

संस्था द्वारा 101 पीपल के पेड़ लगाने का लक्ष्य है।

कम्बल वितरण

संस्था के पदाधिकारी कम्बल वितरण करते हुए।

संस्थान की गतिविधियाँ

लॉकडाउन मे राशन एवं भोजन वितरण

हमारी संस्कृति का मूल भाव है समभाव अगर हमारे पास एक रोटी है और व्यक्तिभूखा है तो हम आधी रोटी उस व्यक्तिको देकर मिल बांट कर खाने में विश्वास करते हैं। इसी तरह हर उस व्यक्ति को खाना मिले जो अनजान शहर में परिस्थितिवश भोजन का प्रबन्ध नही कर पा रहा है। जो आज कोरोना महामारी की वजह से लगे लोकडाउन में बहुत ही परेशान व भूखा रहा और स्थितियाँ अभी भी सुधरी नही है बल्कि ओर ज्यादा खराब हो गई है। घरों में झाड़ू करने वाले जिन्हे लोगो ने अभी काम देना शुरू नही किया, चोखटी से मजदूरी करने वाले और न जाने कितने ही लोग ऐसे मिल जायेंगे जो काम कर के पेट भरना चाहतें हैं परन्तु मजबूर है भूखे रहने को, कर्ज मांग कर काम चलाने को लेकिन वो भी नही मिल रहा। इन में कुछ ऐसे भी हैं जो भूख से मर जायेंगे मगर इज्जत के डर से ना तो मांग सकते और ना ही किसी खाने की गाड़ी में कतार से लग सकते है। ऐसे ना जाने कितने लोग हैं जो जयपुर में अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग बस्तियों में रहते हैं जिन्हें इन्तजार है कुछ काम मिले।

भूख तो दोनो समय लगती ही है। उन लोगों की इस व्यथा को संस्थान ने समझा और आप के सहयोग से इसका समाधान भी करने की कोशिश की। आप की संस्था कमलाबाई चौरिटेबल ट्रस्ट ने किट बनायें, जिसमें में।(5 किलो आटा, 10 किलो चावल, 3 किलो दाल, 1 लीटर तेल, 1 किलो नमक, मिर्च, हल्दी, धनिया यानी टोटल किट का वजन 21 किलो है) ऐसे 250 किट तैयार किये गये और एक सर्वे कर जरूरतमंदो को बाँटे गये। इससे एक संतोष, एक तृप्ति और सुकून का अहसास लिए हुए चेहरे नजर आने लगे। और इस पावन लक्ष्य की प्राप्ति में बहुत सारे महानुभाव सहभागी बने है। जब उद्देश्य नेक और आत्मसंतुष्टि प्रदान करने वाला हो तो कारवाँ अपने आप बनता चला जाता है। संस्था, समाज व देश को आप जैसे भामाशाहो पर गर्व है। और आपका साथ ही हमारी शक्ति है...

जब सम्पूर्ण भारत देश कोरोना वायरस की वजह से लॉक-डाउन का पालन कर रहा था। तो बहुत से ऐसे लोग भी थे, जो अपने परिवार से दूर मजदूरी करने आये हुऐ थे। और लॉक-डाउन की वजह से उनका रोजगार छिन गया, भारत सरकार ने यातायात साधन बंद कर दिये।

तब मजदूर तबके के लोग भूखे प्यासे, बेघर होकर पैदल ही,अपने घरो को चल दिये, तब कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने सामाजिक जिम्मेदारी मानते हुए, उनको नि:शुल्क भोजन वितरण करने का कार्य प्रारम्भ किया और करीब 5000 तक लोगो को प्रतिदिन भोजन वितरण किया, इसे पहले 300 से 500,1000, 2000, फिर 4000 तक बढाया गया। ये सब हुआ आप सभी दानदाताओं के सहयोग से हम आभारी है,उन सभी दानदाताओं के जिन्होने इस महामारी में भी संस्था का साथ दिया। हम उन सभी का धन्यवाद करना चाहते है और ईश्वर से प्रार्थना करते है। कि आप सभी सदा खुश रहे, मुस्कुरातें रहें, स्वस्थ रहें आप के घर सुख समृद्धि रहे।

नेत्र मानव शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है, आत्मा का आईना और एक ध्येय तक पहुचने का नेत्र द्वार है। यह आपके मन की वास्तविक भावनाओ कों जाहिर करते है और अगर यही नेत्र देखना बंद करदे तो सम्पूर्ण संसार अर्थहीन बन जाता है ।

इनके खराब होने पर आंखें अगर एक गरीब की हो तो उसकी एक उम्मीद की किरण भी एक अन्धेरे मे खो जाती है। इसलिए कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने आई केयर अभियान का प्रारम्भ किया, जिसके तहत गरीब वृद्धो के लिए नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा का आयोजन किया जाता है। इस शिविर मे केलगरी आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरो द्वारा पीड़ितों की आंखो की जॉच कर, उन्हे नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया जाता है।

1. 1 दिसम्बर 2019 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, ग्राम मंडा-भिण्डा (ब्लॉक गोविंदगढ़) में नेत्र शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 28 लोगों का मोतियाविंद का ऑपरेशन, 208 लोगो को नजर के चश्मे, 255 लोगों को नि:शुल्क दवाइयां बांटी गयी, शिविर में श्रीमान बजरंग लाल अग्रवाल जी का पूर्ण सहयोग रहा।

2. 12 जनवरी 2020 को जय अम्बे सीनियर सैकंडरी स्कूल, ग्राम रायथल (जालसू) में नेत्र शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 23 मोतियाबिंद के ऑपरेशन किये गये, 175 लोगों को नि:शुल्क दवाइयां दी गई। इस शिविर में डॉ. सरिता भार्गव जी का पूर्ण सहयोग रहा। नि:शुल्क 80 नजर के चश्मे भी बांटे गये। जिसके लिए सहयोग श्रीमान् बाके विहारी शर्मा जी की ओर से रहा ।

श्रद्धांजली

आपका जीवन, कठिन परिश्रम, मिलनसारिता एवं समाज के प्रति समर्पण
की भावना व मधुर व्यवहार हमारे लिए आदर्श एवं अनुकरणीय है,
आपकी पावन स्मृति व यादें हमारे दिल में सदैव बनी रहेगी।
'' निवाला'' परिवार अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

गौरीशंकर गुप्ता (महरवाल)
देवलोक गमन : 20-10-2019

स्व. श्री पारसमल जैन
देवलोक गमन : 13-08-2020

श्रीमती प्रवीण अहूजा
देवलोक गमन : 28-08-2020

यदि आप भी अपने किसी स्वर्गवासी परिजन की श्रद्धांजलि देना चाहें तो उनका नाम, पुण्यतिथि व जीवनी हमें भेजे, जिससे हमें भी उन्हें अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर प्राप्त हो।

थोड़ी खुशियाँ बांट कर देखो, अपनी खुशियाँ बढ़ जाएंगी।
गम के दिनों की आंधी, सावन में वर्षा सी बरस जाएगी।।
भूखे–प्यासे है जो तन–मन, भर झोली दे, दो उनको अन्न।
पहने आधे वस्त्र, दीन हीन जो, आप सजा दो उनके अंग।।
पढ़ना चाहते है जो मन से, पर पढ़ नहीं पाए, है निर्धन।
जब शिक्षा उन्हें मिलेगी, किस्मत उनकी संवर जाएगी।।
हम जो कुछ सहायक हो, तो दिशा बदल जाएगी।
बन देखो छोटा सा सहयोगी, तब गरीबी भी मुस्कुराएगी।।
समस्त भारतीयों से हैं, प्रार्थना करें थोड़ा–थोड़ा सहयोग।
जितना, जो जैसा हो करिएगा, जुडे, कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट से लोग।।
थोड़ी खुशियाँ बाँट कर देखों, सुधर जायेगा इहलोक–परलोक

शुभ
लाभ

जय मां दुर्गे

नव–रात्रि शक्ति की आराधना, उपासना करने, शक्ति को पहचान कर,उसका उचित समय, उचित स्थान पर उचित प्रयोग करने का पर्व है। संचित करें अपनी ऊर्जा को, शक्ति को, भक्ति को, सेवा की उस भावना को समयानुसार काम में लेने का त्यौहार है।

उपवास व्रत, साधना कर हम शक्ति को ,जागृत कर पाप अज्ञानता, बुराई का अन्त करने की क्षमता पाएं । शुद्ध शरीर, समाज, व्यवहार बना सकें। यह पर्व, व्रत सिखाते है, नौ दिनों मे प्रकृति के स्त्रीरूप को पहचाननें, मानने, शक्ति रूप को पहुँचा कर अपनी प्रार्थना को, अपने उपर सदा कृपा बनाएं रखने का विश्वास नौ दिन व्रत करे, पूजन करे ,संयंम साधना करे, शक्ति का वंदन करे, जिसे तीनों रूप में श्रेष्ठ माना गया ।तो लक्ष्मी, सरस्वती, शक्ति 3 रूपों में प्रकृति का स्त्री रूप जो प्रत्येंक रूप में पूजनीय है ,वंदनीय है, उसे नमन करें ।

संस्था द्वारा बालिका रूप में जो शक्ति समाज को उजियारा देती है, उसे प्रकाशित होकर आगे बढाने का प्रयास किया जा रहा है। यह सार्थक हो ऐसी प्रार्थना मां दुर्गा के नौ रूपो से सदैव ही करें और इस अवसर का लाभ आपको, आपके परिवार को मिले ऐसी हमारी प्रार्थना सदैव ही रहेगी।

नव–रात्रि मनाएं जाने का कारण है शक्ति की पूजा, अपनी शक्ति को संचित करना, बुराई का नाश करने में, इस शक्ति का उचित प्रयोग करे।

श्री राम ने शक्ति की आराधना की, रावण पर विजय पायी, अच्छाई की बुराई पर जीत हुई, और सत्य की जीत होती है, इस धारणा को बल मिला।

हम नवरात्रि में नौ दिनों के लिए शक्ति रूपा, मां दुर्गा की स्थापना कर आवाह्न करते है और अपने भीतर शक्ति को जागृत कर उसे अपने कष्टों, दुखों और सामाजिक बुराइयों का नाश करने में प्रयोग करते है ।

आज कोई दानव समाज की हानि कर रहे तो ,वे है गरीबी, भूख, अशिक्षा, असमानता आदि। हम संस्था के साथ सहयोग कर इन बुराइयों पर विजय पाएं ,इनका विनाश हो ऐसा प्रयास सतत् जारी रखें ऐसी प्रार्थना मां दुर्गा से करते है।

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट परिवार की ओर से
आप व आपके परिवार सभी को नवरात्रि और
दिपावली की हार्दिक शुभकामनाएं ।

व्यस्थ रहे, स्वस्थ रहे। खुश रहे, मस्त रहे।।

कोरोना योद्धाओं को नमन

विश्व पर जब कोरोना संकट छाया तो चारो ओर ही निराशा का वातावरण व्याप्त हो गया। समय अपने आप में इतना बोझिल हो गया, कि लॉक–डाउन जैसी स्थिति आने पर व्यक्ति अपने ही घर में कैदी सा अनुभव करने लगा।सडको पर निकलना निषेध, सामाजिक दूरी की पालाना, बाहर से कोई वस्तु नहीं मिल पा रही थी।सूचना के साधनों पर ही जीवन निर्भर रहा।

इस समय को भी संचार माध्यमों के द्वारा व्यतीत किया गया । इन माध्यमों ने साबित भी की अपनी उपयोगिता।

परिवार–जन जो, अपने ही में सीमित हो गए थे।कुछ धीरे–धीरे और कुछ तेज जिंदगी को दौड़ जीतने की होड़ में लगे थे, रिश्तें जो बस निभाए जा रहे थे, जिए नही जा रहे थे, अपने असली रूप में निखरे।फोन के माध्यम से लोग दूर होकर भी दिल से करीब हुए।

ऐसे शुभचितंको। परिजनों के भी हाल–चाल जानने–बताने का समय मिला और लोगो ने जाना कि मनुष्य को बहुत सारी सुविधाओ की आवश्यकता नहीं है।मन में शांति और मूलभूत जरूरतें ही बहुत है अच्छा, सुखद जीवन जीने के लिए।ऐसे गुण और खूबियां हमे अपने परिवार जनों माता–पिता की जानने को मिली, जिसका हमें ज्ञान भी नही था। व्यक्तियों को स्वयं कि रूचियों के लिए समय मिला, सभी के कुछ गुण निखरें और चमके।नए व्यंजनो का घर पर ही स्वाद मिला ।

जो समर्थ नही थे, उन्हे भी असहाय नही छोडा गया। समाज ने संदेश दिया उन लोगों की मदद हो।मनुष्य सामाजिक प्राणी है और वह इस लिए हजारों वर्षो से विद्‌यमान है, क्योकि उसमे मै कि भावना न होकर, हम का अहसास जागता है, जब भी कोई संकट, आपदा आती है।

इस कार्यो में सरकारी तन्त्र, पुलिस,चिकित्सकीय व्यवस्था में कार्य कर रहे कर्मियों ने विशेष रूप से योगदान दिया।पुलिस विभाग ने विशेष कर्त्तव्यों का निर्वाह पूरी शक्ति से किया।सिर्फ डयूटी का पालन न कर उससे कही आगे परिवार से भी पहले, सामाजिक फर्ज को निभाया, वे प्रणाम के अधिकारी है, उन्हें शत् शत् नमन और आभार व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

चिकित्सा कर्मियो ने ऐसे समय जब अन्य व्यक्ति का स्पर्श भी वर्जित हो गया, उस समय अपने पेशे के गौरव को सार्थक किया और निभाया उस फर्ज को जिसके लिए वे इस क्षेत्र में आए है।मनुष्य जीवन की रक्षा करना ही प्रथम है।सैनटाइजेशन, डिस्टेन्सिंग का पालन किया, कष्ट कारक पी. पी. ई. किट पहन कर, गर्मी के भीषण प्रकोप के बीच लोगो की सेवा की।दिन रात नही देखा उन्हे कोटि कोटि नमन।

तीसरे रूप मे कमला बाई चैरिटेबल ट्रस्ट जैसी संस्थाए जिन्होने निर्बल, निःसहाय को भोजन, राशन पहुँचाने का पूरा जी–जान से प्रयास किया और हजारो लोगो तक पहुँचाया, भोजन जो ऐसे समय प्रथम आवश्यक सुविधा थी।तब संस्था ने अपने संकल्प द्वारा इस कठिन, लेकिन सहयोग द्वारा आसान हुए कार्य को पूरा किया।

संस्थान की पाँच गाड़ियों व 35 लोगों व सभी दानदाताओ के सहयोग से जयपुर के निम्न स्थानों पर जैसे जगतपुरा, सीतापुरा, जवाहरनगर में गीता भवन, शास्त्री नगर, शास्त्री नगर थाना, सीकर रोड़, झोटवाड़ा, खातीपुरा पुलिया, सिरसी रोड़, बजरी मंडी रोड़, गांधीपथ, विनोबाभावे नगर, अलपना कॉलोनी, 200 फुट बाई पास, सुशीलपुरा, निमेड़ा, अजमेर रोड़, बंगाली बस्ती, हरीजन बस्ती, पंजाबी बस्ती, त्रिवेणी नगर, अयोध्या नगर व कानोता अंचरोल और अन्य स्थानों पर भोजन पहुचांया और राशन पैकेट वितरण का अभियान चलाया।इस कार्य सम्पादन में सहयोगी जनो का भरपूर योगदान रहा, विशिष्ट व्यक्तियों ने स्वयं आगे बढ़कर संस्था के प्रयास को सराहना करते हुए योगदान किया ।संस्था ने जो बीड़ा उठाया, उसे आपके सहयोग के बगैर पूरा करना असम्भव था।हम आप सभी का आभार प्रकट करते है, कोटि कोटि नमन् करते है।

– कमला बाई चैरिटेबल ट्रस्ट

एक कोशिश निवाला™
प्रतिदिन निःशुल्क भोजन वितरण

कैसे बढ़ाए रोग प्रतिरोधक क्षमता

हम ने मार्च में जब खुद को कैद किया था, तो केवल गिने चुने मामले ही थे। आज राजस्थान में 1,25,000 से ज्यादा हैं, और आगे कुछ महीनों में हो सकता है कि आंकड़े करोड़ों में हो। घबराने से काम नहीं चलेगा, ''सतर्कता'' व ''समझदारी'' अब जरूरी है। विज्ञान कहता है कि अगर किसी बच्चे को उसके जन्म से लेकर जवानी तक किसी ऐसी जगह रखा जाए, जहां उसे कभी जुकाम, खांसी, बुखार ना हो तो एक समय बाद उसके शरीर को यदि जुकाम भी हो गया तो गम्भीर रूप से बिमार हो जाता है इस के आगे मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती हैं तब शरीर उन कीटाणु के प्रतिरोधक क्षमता बना लेता है ।

तो सही तरीका क्या है ?

सही तरीका है खुद के शरीर को, अपने परिवारजन को, अपने बच्चों को इसके लिए तैयार करना। आज नहीं तो कल हम सब को बाहर निकलना ही पड़ेगा। चाहे मजबूरी में ही सही।

तो आइए इस समय अपनी और अपने बच्चो के शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करें। अगर हम उनको सदा के लिए सुरक्षित रखना चाहते है तो.. ! !

कुछ सुझाव :-

(1) 30 - 60 मिनट प्रतिदिन व्यायाम व योग का नियम बनाएं। उम्र कोई भी हो आपकी। खुद के लिए इतना तो कर ही सकते हो।
(2) खुद को और अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा शारीरिक मेहनत की आदत डाले। मशीनों की बजाय खुद के शरीर पर विश्वास रखें।
(3) पैदल चलना, साइकिल चलाना, सीढ़ी चढ़ने की आदत अब अच्छी आदतों में शुमार हो गई हैं। कार, स्कूटर का लालच दूर रखें।
(4) धूप में सारे विटामिन और जीवन के लिए जरूरी तत्व हैं।
(5) प्रकृति से जुड़ाव करना होगा।
(6) गर्म पानी का सेवन करने की आदत डालें।
(7) आंवला, अदरक, नीबू, गिलोय, फल, सलाद, अंकुरित अनाज, आयुर्वेदिक खाद्य जैसी कुदरती चीजों को हम पैक्ड व जंक फूड के चलते भूल गए थे, उनको ही अब अपने आहार में शामिल करना जरूरी है। आज सभी चिकित्सक व अनुसंधान बोल रहे हैं कि इनका उपयोग करो।
(8) अपने जीवन में बैंक की किस्तों का बोझ जितना कम हो सके इतना अच्छा है। आवश्यकता असीमित ना हो। उस पर मंथन करना जरूरी है।
(9) घर छोटा होगा, कार छोटी होगीय लेकिन यकीन मानिये, मन में ष्सुकूनष्होगा व जीवन व्यवस्थित होगा।
(10) जिन बच्चों और परिवार के लिए हम जो ये सब कर रहे हैं, वो भी हमारे साथ कम सुविधा में भी खुश हों, ये उनको समझाना होगा।
(11) संकट के समय के लिए कमाई का कुछ हिस्सा बचत का प्रावधान करना, अब अत्यंत जरूरी होगा।
(12) ज्यादा से ज्यादा सुविधा देने के चक्कर में हमने बच्चों का फायदा कम, नुकसान ज्यादा कर दिया है।

याद कीजिए.. ! ! अपने वो दिन जब रोटी पर नमक-मिर्ची लगा कर खा जाते थे और मस्त रहते थे।

बच्चों को सुरक्षित भविष्य देना सही है, परन्तु उनकी आदत में हद से ज्यादा सुविधा नहीं देनी है। खुद करके आगे बढ़ने की प्रेरणा देना जरूरी है। बच्चों की दिनचर्या पर ध्यान देना होगा।

आज नहीं तो कल आप सब को घर से बाहर निकलना ही पड़ेगा। आप अपनी शरीर की प्रकृति के हिसाब से खुद की ''प्रतिरक्षा प्रणाली'' को मजबूत कीजिए।

खुद को शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत करना ही सिर्फ इस विषाणु से ही नहीं, बल्कि हर बीमारी से बचने का सही हल है।

कुल मिलाकर सार ये है कि बड़े बुजुर्ग जो कहा करते थे एवं किया करते थे। वे अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखते थे, सीमित खर्च में जीवन यापन करते थेय चाहे पारिवारिक हो या सामाजिक, शारीरिक मेहनत करते थे, परिवार का महत्व समझते थे। उन सभी बातों को जीवन में आत्मसात करना होगा और बच्चों को भी समझाना होगा।

जीवन जीने के तरीके में आमूल-चूल परिवर्तन लाना ही पड़ेगा, तभी जीवन आनंद व सुकून देने वाला होगा।

परिवार के सदस्य कृपया ध्यान दें।

(1) कोई भी खाली पेट न रहे। (2) उपवास न करें।
(3) रोज एक घंटे धूप लें। (4) AC का प्रयोग कम करें।
(5) गरम पानी पिएं, गले को गीला रखें। (6) सरसों का तेल नाक में लगाएं।
(7) घर में कपूर वह गूगल जलाएं। (8) आधा चम्मच सोंठ हर सब्जी में पकाते समय डालें। (9) रात को दही ना खायें। (10) बच्चों को और खुद भी रात को एक-एक कप हल्दी डाल कर दूध पिएं। (11) हो सके तो एक चम्मच चयव्नप्राश खाएं। (12) घर में कपूर और लौंग डाल कर धूनी दें। (13) सुबह की चाय में एक लौंग डाल कर पिएं। (14) फल में सिर्फ संतरा ज्यादा से ज्यादा खाएं।
(15) आंवला किसी भी रूप में चाहे अचार, मुरब्बा, चूर्ण इत्यादि खाएँ

यदि आप ''कोरोना'' को हराना चाहते हैं तो कृपा करके ये सब अपनाइए। आप सबसे हाथ जोड़ कर प्रार्थना है, आगे अपने जानने वालों को भी यह जानकारी भेजें।

''दूध में हल्दी आपके शरीर में प्रतिरक्षातंत्र को मजबूत बनाएगा।''

आप सुरक्षित रहें, घर पर रहें।

महत्वपूर्ण सूचना

कोरोनावायरस से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण कई परिवार पूरी तरह कोरोना से पीड़ित हो गए हैं एवं घर पर ही कोरोनटाईन हो रहे हैं लेकिन खाने की समस्या हो रही है। इस समस्या को कुछ हद तक दूर करने के लिए जयपुर में कमलाबाई चौरिटेबल ट्रस्ट की निवाला योजना द्वारा निःशुल्क भोजन की व्यवस्था शुरू की गई है आप इस सम्बन्ध में हमसे संपर्क कर सकते हैं।

सम्पर्क सूत्र : - 7231888800, 7231888822, 155, मां हिंगलाज नगर-बी, लालरपुरा, गांधी पथ (पश्चिम), वैशाली नगर, जयपुर

निवाला
एक कोशिश
प्रतिदिन निःशुल्क भोजन वितरण

सहयोग आपका, प्रयास संगठित

निवाला भोजनशाला के लिए आवश्यक उपकरणों की सूची :-

क्र.	सामग्री	क्षमता	मात्रा	अनुमानित दर	टोटल राशी
1	चपाती बनाने की मशीन	1000 चपाती प्रति घंटा	1	522000/-	522000/-
2	एस.एस कूकर	500 लीटर	2	310000/-	620000/-
3	आलू कटर मशीन	20 किलो	1	40000/-	40000/-
4	हरी सब्जी कटर मशीन	35 किलो	1	45000/-	45000/-
5	आटा गुथने की मशीन	35 किलो	1	35000/-	35000/-
6	बडी मिक्सी	(2 जार) 5 लीटर + 3 लीटर	1	15000/-	15000/-
7	आटा चक्की	50 किलों	1	40000/-	40000/-
8	स्टीलवॉक्स चपाती वितरण के लिये	20 लीटर	10	2000/-	20000/-
9	स्टीलवॉक्स चावल वितरण के लिये	20 लीटर	10	2000/-	20000/-
10	स्टीलवॉक्स सब्जी दाल वितरण के लिये	20 लीटर	10	2000/-	20000/-
11	स्टील परात बडी	50 लीटर	2	7500/-	15000/-
12	स्टील बडा भगोना	500 लीटर	2	12000/-	24000/-
13	स्टील वॉक्स मसालों के लिये	20 लीटर	5	2000/-	20000/-
14	गैस सिलेन्डर बडे	17.5 लीटर	10	3000/-	30000/-
15	चिम्नी/ऐजोस्ट	100 लीटर	1	80000/-	80000/-
16	पानी फिलटर मशीन	100 लीटर	1	80000/-	80000/-
17	रेफरीजेरेटर बडा	2000 लीटर	1	45000/-	45000/-
18	इलैक्ट्रीक जनरेटर	5 केवी ऑटोमेटिक	1	150000/-	150000/-
19	भोजन वितरण के लिऐ गाडी	टाटा ऐसीई बंद बाडी	2	500000/-	1000000/-
				कुल	2821000/-

इच्छित दान-दाता संस्था के कार्यालय या हेल्पलाइन नम्बरों पर सम्पर्क करें।

सहयोग आपका, प्रयास संगठित

निवाला भोजनशाला के लिए आवश्यक राशन की सूची :-

क्र.	सामग्री	वजन	प्रतिदिन की आवश्यकता	प्रतिमाह की आवश्यकता	प्रतिवर्ष की आवश्यकता
1	आटा	किलो ग्राम.	50	1500	18000
2	आलू	किलो ग्राम.	30	900	1080
3	मिक्स वेज	किलो ग्राम.	45	450	5400
4	मिक्स दाल	किलो ग्राम.	12	120	1440
5	हरा धनियॉ	किलो ग्राम.	0.5	15	180
6	टमाटर	किलो ग्राम.	7	210	2520
7	अदरक	किलो ग्राम.	0.1	3	36
8	हरी मिर्च	किलो ग्राम.	5	150	1800
9	नमक	किलो ग्राम.	1.25	37.5	450
10	जीरा	किलो ग्राम.	0.04	1.2	14.4
11	हल्दी	किलो ग्राम.	0.2	6	72
12	धनियॉ	किलो ग्राम.	0.2	6	72
13	लाल मिर्च	किलो ग्राम.	0.2	6	72
14	हींग	किलो ग्राम.	0.01	0.3	3.6
15	घी	किलो ग्राम.	1.5	45	540
16	तेल	किलो ग्राम.	1.5	45	540
17	चावल	किलो ग्राम.	12	360	4320
18	गैस सिलेन्डर कॉमरशियल	किलो ग्राम.	1.5	45	540

इच्छित दान-दाता संस्था के कार्यालय या हेल्पलाइन नम्बरों पर सम्पर्क करें।

सहयोग आपका, प्रयास संगठित

सहयोग सारणी...

सदस्यता	प्रारम्भिक पद	सदस्यता अवधि	उपलब्ध सामग्री	सदस्यता शुल्क
सहयोगी सदस्य	संस्था सदस्य	1 वर्ष	सदस्यता कार्ड, समाजसेवी प्रमाण-पत्र,	1100/-
सहयोगी सदस्य	संस्था सदस्य	आजीवन	सदस्यता कार्ड, समाजसेवी प्रमाण-पत्र, वर्ष में एक बार इच्छित दिनांक पर 100 लोगों को नि:शुल्क भोजन	11000/-
सहयोगी सदस्य	संरक्षक	1 वर्ष	सदस्यता कार्ड, समाजसेवी प्रमाण-पत्र, वर्ष में एक बार इच्छित दिनांक पर 50 लोगों को नि:शुल्क भोजन	5100/-
सहयोगी सदस्य	संरक्षक	आजीवन	सदस्यता कार्ड, समाजसेवी प्रमाण-पत्र, वर्ष में दो बार इच्छित दिनांक पर 100 लोगों को नि:शुल्क भोजन	21000/-
सहयोगी सदस्य	मुख्य संरक्षक	आजीवन	सदस्यता कार्ड, समाजसेवी प्रमाण-पत्र, वर्ष में चार बार इच्छित दिनांक पर 100 लोगों को नि:शुल्क भोजन	51000/-

निवाला एक कोशिश

सहयोग राशि

1 व्यक्ति भोजन	दैनिक	रु. 21/-
1 व्यक्ति भोजन	मासिक	रु. 630/-
1 व्यक्ति भोजन	वार्षिक	रु. 7560/-
100 व्यक्ति भोजन	दैनिक	रु. 2,100/-
100 व्यक्ति भोजन	मासिक	रु. 63,000/-
100 व्यक्ति भोजन	वार्षिक	रु. 7,56,000/-
300 व्यक्ति भोजन	दैनिक	रु. 63,00/-
300 व्यक्ति भोजन	मासिक	रु. 1,89,000/-

सँवारे बचपन

सहयोग राशि

क्र.	विवरण	1 बालिका	15 बालिका	100 बालिका
1	शिक्षा	3000/-	45000/-	300000/-
2	स्वास्थ्य	9000/-	135000/-	900000/-
3	गतिविधियाँ	350/-	5250/-	35000/-
4	शिक्षा भ्रमण	400/-	6000/-	40000/-
5	उत्सव मनाना	800/-	12000/-	80000/-
कुल		13550/-	203250/-	1355000/-

दान पर आयकर में छूट

आप के द्वारा दिऐ गए दान पर आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

सहयोग/सदस्यता फॉर्म

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट अपनी योजनाओं के माध्यम से मानव सेवा में समर्पण के साथ 'एक कोशिश' कर रहा है। संस्थान इन कोशिशों को आगे बढ़ाने में प्रयासरत है और यह तभी सम्भव है जब आप श्री भी आगे बढ़ कर संस्थान का हाथ थम लें। यदि आप संस्था के प्रयासों से प्रसन्न है तो संस्था का हिस्सा बनने के लिए कृपया सदस्यता फॉर्म के साथ सहयोग संलग्न कर हमें भेज दें या ऑनलाइन सहयोग कर सदस्यता फॉर्म का फोटो हमें व्हॉट्सअप कर दें।

बून्द-बून्द से घड़ा भरता है...!

हम ईश्वर से यही प्रार्थना करते है कि आपके सहयोग रूपी एक-एक बून्द से संस्था का मदद रूपी घड़ा हमेशा भरा रहे और जरूरतमंदो की मदद होती रहे।

सहयोग/सदस्यता फॉर्म

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करूणा- सेवा भेजें

क्रमांक_____ दिनांक _____

आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

मैं/श्री/श्रीमति _____ पुत्र/ पुत्री/पत्नि श्री _____

पता _____ गाँव/शहर _____

जिला _____ राज्य _____ पिन कोड ☐☐☐☐☐☐ पेन नं. ☐☐☐☐☐☐☐☐☐☐

व्यवसाय _____ जन्म दिनांक ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐ वैवाहिक वर्षगांठ ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

फोन नम्बर/ऑफिस _____ मो नं _____ ई-मेल _____

सहयोग/उपलक्ष्य में/ स्मृति में _____ कार्यकर्ता ☐ सहयोगी ☐ संरक्षक ☐ सदस्य बन कर या संस्थान द्वारा संचालित अन्य सेवा कार्यो का हिस्सा बनने के लिए (राशि शब्दों में) _____ रू. का सहयोग

ऑनलाइन/कैश/चैक/डी.डी. नं. _____ दिनांकित __/__/____ से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता/करती हूं।

_____
हस्ताक्षर प्रार्थी

-: निवेदन :-

दान-सहयोग 'कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट' जयपुर के पक्ष में नकद/चैक/ड्रफ्ट/RTGS/NEFT/ECS/CARD/WALLET द्वारा देय होगा। सभी भुगतानों का विवरण संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें। ताकि दान-सहयोग प्रप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

संस्था के स्वयंसेवक

संतोष शर्मा (अध्यक्ष)
रमेश शर्मा (उप सचिव)
शीला शर्मा
आरती चित्तौड़ा
रेखा सिंह
अनुराधा कंवर
लोकेश कन्डेरा
पिंकी चौहान
रेखा शर्मा
पूजा शर्मा
मिथलेश जाँगिड़
अन्जू कंवर
ममता कंडेरा
रामधणी प्रजापत
मितलेश कंवर
अन्जू वर्मा
अन्जू कुमारी
भुपेन्द्र पारीक (लिगल एडवाईजर)
सुनिता जाँगिड़
राज कुमार वर्मा
आशीष जाँगिड़
नरेन्द्र जाँगिड़ (नीलू)
नरेन्द्र शर्मा
नीरज जाँगिड़
दिलिप जाँगिड़
उदय सिंह सैनी
रंगेश शर्मा
पंकज जाँगिड़
पृथ्वी सिंह
किशन पुरी
मुकुट बिहारी जाँगिड़
एस. एस राठौड़
लोकेश जाँगिड़
गजानंद जाँगिड़
गौत्तम शर्मा
गोवर्धन कुमावत
गयाप्रसाद जाँगिड़
अनुज खण्डेलवाल
अनिल जैन
अतुल शर्मा
आनंद तिवाडी
अशोक जाँगिड़
अशोक स्वामी
आर. बैंकटेश
आदित्य नाथावत
आशीष पारीक
अमित जैन
अमित रॉय
अमरचंद जाँगिड़
नरेन्द्र सिंह
नरेन्द्र कुमार शर्मा
चेतन जाँगिड़
चावणराम मीणा
चारू खण्डेलवाल
अरूण अग्रवाल
देवेन्द्र सिंह
देवेन्द्र कुमावत
देवकी नंदन जाँगिड़
दीपक शर्मा
सतेन्द्र शर्मा
सतीश कटारीया
सूरज चौपड़ा
सुमित गोयल
समीर जाँगिड़
संजय शर्मा
संदीप सिंह शेखावत
शैलेन्द्र सिंह
शंभु जी
रतन सिंह जाँगिड़
राजेन्द्र जाँगिड़
राजेश जैन
राजेश सैनी
राजू कुमावत
राजपाल जाँगिड़
राजकुमार शर्मा
रोहित जैन
रावत जी
राहुल सिंह
रामअवतार जाँगिड़
रामप्रकाश चौधरी
राकेश शर्मा
रविशंकर पारासर
रमेश शर्मा
रमाकांत शर्मा
रंगपाल सिंह
प्रदीप शर्मा
प्रदीप यादव
प्रमोद चौहान
पूनमचन्द कुमावत
पवन शर्मा
पवन पुरी
पप्पू चौधरी
पंकज सिनसिनबार
भगवान जाँगिड़
भवानी सिंह शेखावत
हेमराज जाँगिड़
नितिन जाँगिड़
निर्मल कुमावत
जितेन्द्र शर्मा
जितेन्द्र परिहार
जितेन्द्र विजय
जितेन्द्र कटारियां
विनोद जाँगिड़
विजय पंथ
विक्रम सिंह
विष्णु प्रताप सिंह
विष्णु पुरी
दिनेश वर्मा
दिनेश जाँगिड़
दीपेश जाँगिड़
दीपक शर्मा
सिद्धार्थ जी
हिरालाल जाँगिड़
किशन यादव
मनोज कुमावत
मनमोहन खण्डेलवाल
मुलचंद कुमावत
मुकेश जाँगिड़
मुकेश ढाका
मानव रंकावत
मोनु जाँगिड़
मोहित शर्मा
मनिष गोयल
कुलदीप शर्मा
कमलराज जाँगिड़
बृजराज गौत्तम
बल्लभ अग्रवाल
शंकर पारीक
घनश्याम महावर
योगेश जाँगिड़
धनराज दाधीच
धर्मेन्द्र जाँगिड़
सोनल शर्मा
राजेन्द्र शर्मा
रोहित सिंह
निकिता यादव
ज्योति कंवर
अरविन्द चौधरी
सोनाली शर्मा
अविनाश कनौजिया
इन्द्रजीत शर्मा

सहयोगी हाथ

प.पू.तपागच्छाधिपति आ.श्री वि. प्रेमसूरीश्वरजी म.सा.
को चतुर्थ पुण्यतिथि निमित्त पूज्यश्री को वंदना...
भाद्रपद वदि -9, 2016

श्री गुरुप्रेम के आजीवनचरणोपासक प.पू.
आचार्य श्री वि. कुलचंद्र सूरीश्वरजी (K.C.)
महाराज साहेब

श्रीमान प्रेम जी अग्रवाल
(संरक्षक, उद्योगपति एंव समाजसेवी, जयपुर)

श्रीमान रविन जी शर्मा
(संरक्षक, उद्योगपति एंव समाजसेवी, जयपुर)

श्रीमान शंकर लाल जी अग्रवाल
(संरक्षक, समाजसेवी, जयपुर)

कर्नल श्रीमान सुरेश पाल सिंह चौहान
(संरक्षक, समाजसेवी, जयपुर)

श्रीमान पी. के. गोयल
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवान सहाय जी बाजोरिया
(पूर्व पटवारी एंव समाजसेवी)

श्रीमान अनिल जाँगिड़
(उद्योगपति)

श्रीमान नेमीचन्द जैन
(उद्योगपति)

श्रीमान डॉ. अशोक गुप्ता
(मुख्य अधिकक्षक जे.के. लोन हॉस्पिटल)

श्रीमान एस. सी. बेताला
(जवाहर नगर जैन संघ)

श्रीमान गोरी शंकर जी गुप्ता
(उद्योगपति)

श्रीमान रामअवतार शर्मा
(बैंक सर्विस)

श्रीमान एस.एन मारवाल
(उद्योगपति)

श्रीमान एस.पी सिंह
(उद्योगपति)

श्रीमान सुर्जन सिंह जी शेखावत
(उद्योगपति, आर्मी रिटायर्ड)

श्रीमान निपूंज चोपड़ा
(उद्योगपति)

श्रीमान महेश महेश्वरी
(उद्योगपति)

श्रीमान डॉ. वी. के. तिवारी
(सरकारी डॉक्टर)

श्रीमान सज्जन सिंह जी
(आर्मी रिटायर्ड)

श्रीमान ओ. पी महेश्वरी जी
(उद्योगपति)

श्रीमान श्याम सुन्दर मोदानी
(उद्योगपति)

श्रीमान राम कल्याण विजयवर्गीय
(उद्योगपति)

संस्था के सहयोगी

श्री बजरंगलाल अग्रवाल
कर्नल नितिन जी शर्मा
कर्नल नरेश जी चौहान
कर्नल् वाई. पी. भाल सिंह
मेसर्स कोरर वैश्या बेंक
मेसर्स महावीर इन्टरनेशनल पदमावती
मेसर्स श्रीराधागोविन्द रामेश्वर महादेव समिति
मेसर्स राष्ट्रिय भार्गव महिला सभा
मेसर्स रेनूका ऐन्टरप्राईजेज
मेसर्स सुरेन्द्र ईन्टस्ट्रीज
मेसर्स फोर यूनिक मल्टीटेक्स फेव
मेसर्स अजमेरा परिवार
मेसर्स गुलाब किरन सेवा समिति
मेसेर्स संत इन्जनियरिंग वर्क्स
मेजर केतन भटट
मेजर संदीप शेखावत
मिस यशिका कुमावत जी
मिस कविता जी
मिस. गरीमा भूटानी
श्री रामदयाल समधानी जी
श्री सज्जन सिंह जी नाथावत
श्रीमान मोहन जी चंदानी
श्रीमान् मनोज पोद्दार
श्रीमान् एम. एम. अग्रवाल
श्रीमान् एम. एल. महेनसारिया
श्रीमान् एम. डी. बागड जी
श्रीमान् एस. पी. शर्मा
श्रीमान् एस.पी. जी शर्मा
श्रीमान् एच. के. गुप्ता
श्रीमान् एन. के. राठी
श्रीमान् धर्मवीर सिंह जी
श्रीमान् धर्मवीर जी
श्रीमान् धर्मवीर जॉगिंड
श्रीमान् रूपेश जी जैन
श्रीमान् यश जी अग्रवाल
श्रीमान् यज्ञ नारायण ओझा
श्रीमान् श्याम प्रताप सिंह
श्रीमान् योगेश मौथा
श्रीमान् योगेन्द्र जी शर्मा
श्रीमान् युवराज जॉगिंड
श्रीमान् इन्द्रजीत जी चौहान
श्रीमान् इन्द्रजीत शर्मा
श्रीमान् बंटू कुमार
श्रीमान् बी. एल चौंडक
श्रीमान् बी. के. हरित
श्रीमान् बी. पी. सिघांनिया
श्रीमान् बांके विहारी जी शर्मा
श्रीमान् बाल किशन कावरा
श्रीमान् बनवारी यादव
श्रीमान् बनवारी भंडारी
श्रीमान् बलवीर सिंह मील
श्रीमान् ब्रहमानंद जी जॉगिड
श्रीमान् कमल जी वैद
श्रीमान् कमल जी जैन
श्रीमान् कमल अग्रवाल जी
श्रीमान् कपूरचंद्र जैन
श्रीमान् करमजीत सिंह
श्रीमान् कार्तिक खंडेलवाल
श्रीमान् कानाराम वर्मा
श्रीमान् कुमार सिंह तडीपाल
श्रीमान् कुश राठी
श्रीमान् कुलदीप सिंह जी
श्रीमान् के. एन. गुप्ता
श्रीमान् के. एल. सोनी
श्रीमान् के. के. वैष्णव जी
श्रीमान् के. के. जैन
श्रीमान् के. सी. डंगायच
श्रीमान् के. आर. माहेश्वरी
श्रीमान् कैलाश बियानी
श्रीमान् मधुसुधन केडिया जी
श्रीमान् महावीर गडा
श्रीमान् महेश शर्मा
श्रीमान् महेश गोयल
श्रीमान् महेशचंद्र जी
श्रीमान् महेन्द्र सिंह जी शेखावत
श्रीमान् महेन्द्र सिंह जी
श्रीमान् महेन्द्र चौधरी
श्रीमान् महेन्द्र टाटेर
श्रीमान् महेन्द्रा राजेन्द्रा जी जैन
श्रीमान् मोहित माहेश्वरी
श्रीमान् मोहित जैन
श्रीमान् मोहित गुप्ता
श्रीमान् मोहम्मद जाकिर
श्रीमान् मोहन चंद्रावत
श्रीमान् मोहन लाल शर्मा
श्रीमान् मोहन लाल जी
श्रीमान् माली राम जी शर्मा
श्रीमान् मदन मोहन विद्या देवी मूदंरा
श्रीमान् मदन मोहन अग्रवाल
श्रीमान् मुकेश खंडेलवाल जी
श्रीमान् मुकेश कुमार सैनी
श्रीमान् मनीष भार्गव जी
श्रीमान् मनीष जी
श्रीमान् मनीष गुप्ता
श्रीमान् मनोज कुमार मेहता
श्रीमान् मनोज कुमार शर्मा
श्रीमान् मनोज जी मेहरा
श्रीमान् मनन पोद्दार
श्रीमान् ब्रज मोहन शर्मा
श्रीमान् किरन भंडारी
श्रीमान् किशन जी खंडेलवाल
श्रीमान् किशन जी गुप्ता
श्रीमान् पियूष करनानी
श्रीमान् पियूष माहेश्वरी
श्रीमान् रितेष कुमावत जी
श्रीमान् शिवभगवान जी शर्मा
श्रीमान् दीपक गुप्ता
श्रीमान् दिनेश जी सोनी
श्रीमान् दिलीप हिंगर
श्रीमान् दिलवाग राय
श्रीमान् विष्णु शर्मा
श्रीमान् विष्णु अग्रवाल
श्रीमान् विष्णु अग्रवाल जी
श्रीमान् विकास जिदंल
श्रीमान् विकास पारीक
श्रीमान् विकास सोमानी
श्रीमान् विकास जी सुधरानिया
श्रीमान् विकास नोवल
श्रीमान् विपुल माचीवाल
श्रीमान् विशाल सिंघल
श्रीमान् विशाल जी
श्रीमान् विश्वेन्द्र जी
श्रीमान् विश्वनाथ शर्मा
श्रीमान् विश्वनाथ अग्रवाल
श्रीमान् विजय कौरा
श्रीमान् विजय कुमार गुप्ता
श्रीमान् विजय रावत
श्रीमान् विजय जी गुप्ता
श्रीमान् विनय सैन जी
श्रीमान् विनोद संचेती
श्रीमान् विनोद गुन्जन जी
श्रीमान् विनेन्द्र सिंह जी शेखावत
श्रीमान् जितेन्द्र राठौर
श्रीमान् जितेन्द्र पचलांगीया जी
श्रीमान् नितिश माथुर
श्रीमान् नितिन जी
श्रीमान् नितिन जी कटटा
श्रीमान् नितिन गोगिया
श्रीमान् निरंजन कुमार नंनदवाना
श्रीमान् नीरज बंसल
श्रीमान् निशांत हिरांश जी अग्रवाल
श्रीमान् नितेश साबू
श्रीमान् टिंकू प्रजापत
श्रीमान् गिरधर गोपाल जी असोपा
श्रीमान् गिर्राज सोडानी
श्रीमान् हर्ष चंद्र जी
श्रीमान् हंसराज जाट
श्रीमान् हुकुम सिंह जी
श्रीमान् हनुमान सिंह भाटी
श्रीमान् हनुमान चौधरी
श्रीमान् भंवर सिंह जी
श्रीमान् भागचंद्र जी जैन
श्रीमान् भवर सिंह जी
श्रीमान् भुपेन्द्रा शर्मा
श्रीमान् भगवान जाजू
श्रीमान् पंकज खत्री
श्रीमान् पहलाद जी
श्रीमान् पी. सी. जैन
श्रीमान् परमानंद यादव
श्रीमान् पराग सोमानी जी
श्रीमान् पारसमल जैन
श्रीमान् पदमनारायण जी अग्रवाल
श्रीमान् पवन कुमार जी
श्रीमान् पवन शर्मा
श्रीमान् पवन सोनी
श्रीमान् पवन जी अग्रवाल
श्रीमान् पुरूषोत्तम मूदंरा
श्रीमान् पुरूषोत्तम सारस्वत
श्रीमान् पूरण माहेश्वरी
श्रीमान् पूरणमल माहेश्वरी जी
श्रीमान् प्रणय गुप्ता
श्रीमान् प्रकाश सोनी
श्रीमान् प्रमोद कुमार जैन
श्रीमान् प्रहलाद जी
श्रीमान् प्रशांक चौधरी
श्रीमान् प्रदीप बजाज
श्रीमान् प्रदीप कुमार भार्गव
श्रीमान् प्रदीप कुमार शर्मा
श्रीमान् प्रफुल्ल जी भाई
श्रीमान् प्रेम सारा
श्रीमान् प्रेम नारायण तोतला
श्रीमान् प्रेमचंद्र गुलाटी
श्रीमान् रंजीत सिंह कुमत
श्रीमान् रमेश जी खडेंलवाल
श्रीमान् रमेशचंद्र माहेश्वरी
श्रीमान् रवि कपूर
श्रीमान् रवि कुमार भगेल
श्रीमान् रवि मोदी
श्रीमान् श्रीमाल सिंह जी
श्रीमान् राधा मोहन खंडेलवाल
श्रीमान् राधागोविन्द जी
श्रीमान् राधेश्याम गुप्ता
श्रीमान् राकेश कुमार शर्मा
श्रीमान् राकेश कुमार जैन
श्रीमान् राकेश गुप्ता
श्रीमान् रामबाबू बडाया
श्रीमान् रामनिवास जी सैनी
श्रीमान् रामरतन धिया
श्रीमान् रामरतन श्रीमाल
श्रीमान् रामस्वरूप जी
श्रीमान् रामदयाल समधानी
श्रीमान् रामवतार माहेश्वरी
श्रीमान् रामचंद्र जी
श्रीमान् रामचरन जी
श्रीमान् रामअवतार जी सिंघल
श्रीमान् राहुल खंडेलवाल
श्रीमान् राहूल चौधरी
श्रीमान् रोहित जी शर्मा
श्रीमान् राज शर्मा
श्रीमान् राजकुमार जी यादव
श्रीमान् राजकुमार जी अग्रवाल
श्रीमान् राजीव शर्मा
श्रीमान् राजपाल कटारिया
श्रीमान् राजश्री जी
श्रीमान् राजेश कुमार जी सोडानी
श्रीमान् राजेश मेथानी

एक कोशिश निवाला™
प्रतिदिन निःशुल्क भोजन वितरण

संस्था के सहयोगी

श्रीमान् राजेश भाटिया
श्रीमान् राजेन्द्र कुमार जी पटवा
श्रीमान् राजेन्द्र कुमार जी जैन
श्रीमान् राजेन्द्र डूंगर
श्रीमान् राजेन्द्र गुप्ता
श्रीमान् श्रवण कुमार जॉगिड
श्रीमान् रतनलाल जी
श्रीमान् शांकेत श्रीवास्तव जी
श्रीमान् शांति कुमार जी सोगानी
श्रीमान् शांती लाल जी कोठारी
श्रीमान् संतोष जी अग्रवाल
श्रीमान् संजय डंगायच
श्रीमान् संजय जी तापरिया
श्रीमान् संजीव सक्सेना
श्रीमान् सम्पत चौधरी
श्रीमान् समेन्द्र सहदेव
श्रीमान् सचिन वियजवर्गीय
श्रीमान् सी. एम. बंसल जी
श्रीमान् सीताराम जी साध
श्रीमान् सरद कुमार जी
श्रीमान् सरल शर्मा
श्रीमान् सांवरमल जी
श्रीमान् सोनू यादव
श्रीमान् स्वाधीन कोलिया
श्रीमान् सर्वेश भंडारी
श्रीमान् सुधीर जी
श्रीमान् सुधीर गुप्ता
श्रीमान् सुबोध के. आर. सिघंल
श्रीमान् सुमित अग्रवाल
श्रीमान् सुभाष मुदंरा
श्रीमान् सुभाष चंद्र जी
श्रीमान् सुभाष जी जैन
श्रीमान् सुरेश करनानी जी
श्रीमान् सुरेश कुमार जी गगर
श्रीमान् सुरेश कुमार गोस्वामी
श्रीमान् सुरेश चंद्र जी शर्मा
श्रीमान् सुरेश जी झालानी
श्रीमान् सुरेशचंद्र शर्मा
श्रीमान् सुरेन्द्र मोहन जी
श्रीमान् सुशील माहेश्वरी
श्रीमान् सुशील परिहार
श्रीमान् सुनील पूजा दत्त
श्रीमान् सुनील जालन जी
श्रीमान् सुन्दर लाल जी बान्का
श्रीमान् सत्यनारायण जी
श्रीमान् सत्यनारायण जी मारवाल
श्रीमान् सत्यनारायण अग्रवाल
श्रीमान् सत्यनारायण गुप्ता
श्रीमान् सतपाल जी शर्मा
श्रीमान् सतपाल जी ओझा
श्रीमान् शेलेन्द्र सिंह जी
श्रीमान् सूरज सिंह जी
श्रीमान् उमेश कुमार जी गुर्जर

श्रीमान् उमेश कुमार जेठानी
श्रीमान् उमेश शर्मा
श्रीमान् उमेश गोयल
श्रीमान् डी. के. गुप्ता
श्रीमान् उत्तम कुमार जी
श्रीमान् दीपक जी शर्मा
श्रीमान् दशरथ सिंह जी
श्रीमान् वैभव गुप्ता
श्रीमान् वली. मोहम्मद साहव जी
श्रीमान् चंद्रकांत शर्मा
श्रीमान् चंद्रप्रकाश मेहता
श्रीमान् चद्रकांत सोलंकी
श्रीमान् चेतन प्रकाश जी
श्रीमान् तेज प्रकाश जी रंडेर
श्रीमान् जयंत माहेश्वरी
श्रीमान् जयप्रकाश शर्मा
श्रीमान् जी. एस. पुनिया
श्रीमान् जुगल किशोर तोसनीवाल
श्रीमान् जगदीश मालपानी
श्रीमान् नमन साह
श्रीमान् नीरज लुहाडिया
श्रीमान् नरपत सिंह जी
श्रीमान् नरेश विधानी
श्रीमान् नरेन्द्र कुमार जी जैन
श्रीमान् नारायण दास जी चंचलानी
श्रीमान् नौरतमल जैन
श्रीमान् नवीन राज जी
श्रीमान् नवीन जी
श्रीमान् नवनीत सर्राफ जी
श्रीमान् नगेश जी शर्मा
श्रीमान् अरूण सिंह जी
श्रीमान् अरूण जी माघना
श्रीमान् अक्षत जी
श्रीमान् अंकित जी छाजेड
श्रीमान् अंकित जैन
श्रीमान् अंकित अग्रवाल जी
श्रीमान् अकुल भार्गव
श्रीमान् अमरिश जी
श्रीमान् अमन गोयल
श्रीमान् अभिषेक मालपानी जी
श्रीमान् अभिषेक गुप्ता
श्रीमान् अभिमन्यु शर्मा
श्रीमान् अभिनाष जी भार्गव
श्रीमान् अनिल कुमार जी भार्गव
श्रीमान् अनिल भार्गव
श्रीमान् अनिल नागौरी
श्रीमान् अभय कुमत
श्रीमान् आदित्य सोलंकी
श्रीमान् आदित्य जैन
श्रीमान् आर. के. धारीवाल
श्रीमान् आर. के. अग्रवाल
श्रीमान् आर.के जी लोहिया
श्रीमान् आशीष जी भार्गव

श्रीमान् आशीष गुप्ता
श्रीमान् आशाराम जैन
श्रीमान् आशुतोष शर्मा
श्रीमान् अशोक कुमार जी
श्रीमान् अशोक पारीक जी
श्रीमान् अशोक डान्गयेच जी
श्रीमान् अशोक चंचलानी
श्रीमान् अशोक जी मालू
श्रीमान् अशोक जी शर्मा
श्रीमान् अशोक गोयल जी
श्रीमान् अशोक गुप्ता जी
श्रीमान् ओम सिंह जी
श्रीमान् ओम प्रकाश जी
श्रीमान् आलोक भार्गव
श्रीमान् आलोक जी भार्गव
श्रीमान् अजय सिंह जी
श्रीमान् अजय जैन
श्रीमान् अनील डीगंरा जी
श्रीमान् अनुपम बियानी
श्रीमान् अनूप गोयल
श्रीमान् गणपतलाल सैनी
श्रीमान् गणेश जी प्रजापत
श्रीमान् गौरांग अग्रवाल
श्रीमान् गौरव डूंगर
श्रीमान् गजानंद अग्रवाल जी
श्रीमान् गगन जी कुमावत
श्रीमान् लोकश चंद्र भार्गव
श्रीमती खुशवु अग्रवाल
श्रीमती इशा अग्रवाल
श्रीमती कमला देवी समधानी
श्रीमती कविता अग्रवाल
श्रीमती मधु जैन
श्रीमती मधुवाला जॉगिड
श्रीमती ममता कुमावत
श्रीमती माहिता जी तारानी
श्रीमती मोहिनी गुप्ता
श्रीमती मेघा खंडेलवाल
श्रीमती किरन जी चारन
श्रीमती प्रियंका व्यास
श्रीमती प्रियंका जैन
श्रीमती रितु गगरानी
श्रीमती निधी वशिष्ठ
श्रीमती हेम श्री सिंह जी
श्रीमती पुष्पा गुप्ता
श्रीमती पल्लवी श्रीवास्तव
श्रीमती प्रेमलता जी माहेश्वरी
श्रीमती राजेश जी यादव
श्रीमती श्रुति जी गुप्ता
श्रीमती रजनी जी
श्रीमती शशि पाटीदार
श्रीमती सीमा प्राची नाटानी
श्रीमती सरस्वती टिक्कीवाल जी
श्रीमती सरस्वती देवी जी बजाज

श्रीमती सरला चौहान
श्रीमती शारदा सोडानी
श्रीमती स्वेता झुनझुनुवाला जी
श्रीमती सुधा शर्मा जी
श्रीमती सुमन जी हिरावत
श्रीमती सुमित्रा गोदारा
श्रीमती सुनीता मंगला
श्रीमती सुनीता माहेश्वरी
श्रीमती सुनीता साहनी
श्रीमती उषा हेमंत गोयल
श्रीमती उमा डागा
श्रीमती डायमंड चौहान
श्रीमती वीना मालपानी
श्रीमती वीना भार्गव
श्रीमती वैशाली भूदेका
श्रीमती नीरू भार्गव
श्रीमती नीता मेहता
श्रीमती नीलू मल्होत्रा
श्रीमती नेहा भार्गव
श्रीमती अंजली चौधरी
श्रीमती अनीता चुग
श्रीमती आशा अरोरा
श्रीमती गीता शर्मा
श्रीमती गीता जी चौहान
श्रीमती ललीता जी नाटानी
श्रीमतीचारवी बोरडिया
श्रीनारायण जी अग्रवाल
श्री रामकरण प्रभुनारायण जी
श्री लक्ष्मीकांत जांगीड
श्री सूरजमल पवन कुमार जी
डॉ. राजगोपाल जी मंधाना
डॉ. एस. एल
डॉ. एस. पी. सुधरानिया
डॉ. इन्द्रलक्ष्मी सोलंकी जी
डॉ. इन्द्रा लक्ष्मी सोलंकी
डॉ. कुलदीप यादव
डॉ. के. वी. शर्मा
डॉ. मिनी माथुर जी
डॉ. विवेक जी सावू
डॉ. निधि जी गुप्ता
डॉ. पी.एल. जी अग्रवाल
डॉ. प्रभा माथुर
डॉ. रामगोपाल जी सिंघल
डॉ. राज कुमार सोनी
डॉ. सरिता भार्गव
डॉ. सुलभा भार्गव जी
डॉ. अरूण गुप्ता
डॉ. आकांक्षा अग्रवाल
डॉ. गुरूदत्त रायपुरिया
श्री राहुल अग्रवाल
श्री सुशीला गुप्ता
श्री न्यायधीश नरेन्द्र मोहन कासलीवाल

निंदा करना स्वयं की जड़ काटने के समान है।

निवाला
एक कोशिश
प्रतिदिन निःशुल्क भोजन वितरण

सहयोग का माध्यम

आप निम्न तरीकों से अपना सहयोग दे सकते हैं

ऑनलाईन

Bank Name	Account Name	Account No.	IFSC Code
IndusInd Bank	Kamlabai Charitable Trust	201002631012	INDB0000562
HDFC BANK We understand your world	Kamlabai Charitable Trust	50200020477561	HDFC0000554

वॉलेट

Enter Mobile Number
7231888811

Paytm Accepted | PhonePe | G Pay Accepted

चेक/डीडी/नगद

आप कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट के नाम से चेक/डी डी अथवा नकद सहयोग नीचे दिए गये पते पर भेज सकते हैं। या नीचे दिये गये फोन नम्बरों पर सम्पर्क कर संस्था से कार्यकर्ता को बुलाकर दान कर सकते है या फिर आप स्वंय संस्था के कार्यालय पधार कर भी दान कर सकते है या फिर एस.एम.एस हॉस्पिटल व जे.के. लॉन हॉस्पिटल (जहाँ भोजन वितरण किया जाता है) पर पधार कर स्वंय अपने हाथों से भोजन वितरण कर संस्था के कार्यकर्ताओं को भी डोनेशन दे सकते है।

> "हम ईश्वर को साक्षी मान कर आपको ये विश्वास दिलाते है कि आपके द्वारा दिए गये दान सहयोग का केवल जीव सेवा मात्र या जरूरतमंदो की मदद के लिए ही उपयोग लिया जाएगा।"

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट™

नई राह - नई दृष्टि..!, ज्ञान वही - वही सृष्टि..!!

पंजीकृत कार्यालय : जी 1, कृष्णा विला, प्लाट न :113, आदिनाथ नगर, सिरसी रोड़ जयपुर - 302012 (राज.)

मुख्य कार्यालय : 155, माँ हिंगलाज नगर-बी, गाँधीपथ रोड़ पश्चिम, वैशाली नगर, जयपुर-302021 (राज.)

+91-7231-8888-00 / 11 / 22 / 33

info@kbctindia.org | KamlabaiCharitableTrust | YouTube KamlabaiCharitableTrust | www.kbctindia.org

संघर्ष से सफलता की ओर

श्री नरेश जब 1986 में वर्षिय युवक थे,उन्हे पंजाब के अपने गांव जन्दीलिया गुरू को छोडना पड़ा। गॉव-भूमि जहॉ उनका कपास औंर खाद्य तेल का व्यवसाय था, जो कि पारिवारिक स्तर पर एक सक्षम व्यक्ति थे, पंजाब में फैले आंतकवाद के कारण उस जमीन-घर को छोडकर जयुपर आए। वैसे इन्होने 16 वर्ष की आयु में ही आर्थिक कठिन परिस्थितियों की वजह से परिवारिक व्यवसाय को करना आरम्भ कर दिया था, पढ़ाई को अधूरी छोडना पड़ा था। इन्होने तब जो व्यवसाय लगभग डूबा हुआ था, उसे अपने कठिन परिश्रम से पुर्नजीवित कर एक नाम बनाया। तभी आतंकवाद के कारण गॉव, पंजाब छोड़कर ये तीन वर्षिय बेटे, पत्नी और वृद्ध माता-पिता के साथ 1986 में जयपुर आए। एक ही भावना ने शक्ति दी, वह थी स्वयं पर विश्वास और आशा की मेहनत द्वारा आप अवश्य ही सफल हो सकते है। सिर्फ आत्म-विश्वास ही आपको सफल नही बना सकता, उसके साथ ही साथ कठिन परिश्रम और दूरदृष्टि चाहिए। श्री नरेश चोपडा जी ने यही लगातार 15 वर्षो तक अपनी एक नई सोच (पैकेट बन्द खाद्य के रूप में) उस समय, जब पैकेज्ड् आटे का चलन नहीं था लोग गेहूं खरीद कर स्वयं पिसाई करवाना पसंद करते थे। तब अपने उत्पाद को एक लोकप्रिय ब्रान्ड में बदल दिखाया।

नरेश जी ने राधा स्वामी फूड प्रॉडक्ट को एक किराये की जमीन पर शुरू किया। पारम्परिक चक्की का प्लांट लगाया 5 क्विंटल प्रति घण्टा की क्षमता के साथ। यह कुछ शुरूआती साल कठिन रहे लोगों की धारणा को बदलने में जो कि चक्की का पिसा हुआ आटा ही खाना पसन्द करते थे न,कि पैक किया गया आटा। नरेश जी ने पूरी शक्ति, निरन्तर कठिन परिश्रम से अपने ब्रान्ड को लोकप्रिय बना ही लिया ,परन्तु प्रतियोगी व्यापार और कुछ सरकारी तन्त्र को व्यवस्थाएं भी उनके लिए चनौती थी। उनके आत्म-विश्वास और सम्पूर्ण समर्पित प्रयासों ने उनके संस्थान को एक विजेता के रूप में प्रतिष्ठापित कर ही दिया। इस समय में नरेश जी एक प्रकार से अकेले ही इन सब का सामना कर रहे थें, वें स्वंय ही पूरी सप्लाई चेन के लिए जिम्मेदार थे, उनके आत्म-विश्वास और परिश्रम ने उन्हे अच्छे परिणाम ही दिए। आज नरेश चोपड़ा जी का नाम है, जयपुर व्यापार मण्डल में और राजस्थान के खुदरा बाजार में कम्पनी का एक महत्वपूर्ण स्थान है। आज (किसी ब्रान्ड के भी आटे) को लक्ष्मी भोग जितना शुद्ध के रूप तुलना कर परखा जाता है यह एक मिसाल है।

आज श्रीमान् नरेश जी चोपड़ा जयपुर मिनी फ्लोर मिल्स के अध्यक्ष है और साथ ही कार्यकारी सचिव है सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र ऐसोसिएशन के।एक बहुत ही रोचक यात्रा रही उनकी, जो प्रेरणादायक भी है ।

इस यात्रा के कुछ पड़ाव इस प्रकार रहे-

सन् 1986 राधा स्वामी फूड प्रॉडक्ट की स्थापना हुई, 5 लाख क्विंटल/प्रतिघण्टा की क्षमता के साथ।

सन् 1990'' **लक्ष्मी भोग** ''आटा को राजस्थान सरकार द्वारा प्रथम एगमार्क आटा ब्राण्ड का गौरव मिला जो आज भारत में शुद्धता का प्रतीक बना हुआ हैं।

सत्य है, कि कठिन परिश्रम,समय का सदुपयोग आपको एक दिन अवश्य ही सफलता का उपहार देता है। संघर्ष सतत् चल रहा है, यात्रा निरन्तर जारी है ।

उनके अपने शब्दों में''अभी बहुत दूर जाना है।''

संस्थान- राधा स्वामी फूड प्रॉडक्ट पर एक प्रकाश दृष्टि-

कम्पनी को 1986 में स्थापित किया गया। इसे 1996 में प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का स्थान प्राप्त हुआ। आज के समय यह एक अग्रणी उत्पादक कम्पनी है। आटा और बेसन के क्षेत्र में, इसका अपना एक शक्ति शाली खुदरा मार्केट नेटवर्क है। कम्पनी स्वयं में एक मिसाल है, जिसने पैकेज्ड आटे को राजस्थान में लोकप्रिय बनाया और इस क्षेत्र में आज यह जान-पहचाना नाम बना गया है। जयपुर में कम्पनी के 4200 रिटेल काउन्टर है।

राजस्थान जहाँ गहूँ प्रचुर मात्रा में खाया जाता है। परम्परा से यहाँ अपने घर या अपने पास की चक्की पर पिसाई करवा कर ही आटा प्रयोग किया जाता रहा है। आज लोग स्वयं पिसाई करवा कर आटा प्रयुक्त करने के स्थान पर पैकेज्ड पदार्थो का भी प्रयोग कर रहें है, आज के आधुनिक जीवन की आवश्यकताओं के अनुरूप ही कम्पनी उत्तम सेवाएं प्रदान कर रही है। अपने अमूल्य ग्राहकों के स्वाद और सेहत का पूरा ध्यान रख, अपने उत्पाद की गुणवत्ता को बनाएं रखने का सतत् प्रयास कम्पनी का लगातार रहा। कम्पनी ने सन् 2004 में पैकेज्ड् बेसन की मार्केट में कदम रखा और केवल ढाई वर्षो में इस क्षेत्र में एक अग्रणी नाम बन गयी। इनकी कम्पनी इस उत्पादन और वितरण प्रणाली के लिए प्रंशसा की प्रात्र है। आज छोटे से छोटे किराना स्टोर पर कम्पनी कम से कम कीमत में अच्छी गुणवत्ता वाल प्रॉड्क्ट उपलब्ध करवा रही है।

श्रीमान् नरेश चोपडा जी ने लॉक डॉउन के समय में अपने खाद्य-पदार्थो की आपूर्ति की निरन्तर सप्लाई कर शहर में खाद्य सामग्री की उपलब्धता को बनाए रखा।

इस प्रकार समाज में जा राशन सामग्री के लिए अनिश्चिता का वातावरण बन गया था वह कुछ सरल प्रयास द्वारा दूर हुआ।

श्री नरेश जी एक कोरोना योद्धा ही है जो इस काल में अपने कर्त्तव्यों को निभाने में सफल रहे। श्री नरेश जी ने ''कैमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट''के लॉक-डॉउन काल में किए कार्यो की सराहना की एवं संस्था सदस्यों को मार्ग दर्शन प्रदान किया।

लक्ष्मी भोग®

Since 1986

शुभ दिपावली

कुशल गृहिणी
की पहली पसन्द

आटा, बेसन, सूजी, दलिया, मैदा

* विज्ञापन